

23/10/24

प्रगतिशील प्रेरणा हुई। १५ मील वारी
एक वारी (एक) से दूर-दूर जाकर
दि लकड़ी गई लेकिन पत्ता लगाना मुश्किल
होकर गयी काले। शेर : एक वारी काले
फरकी व काले होकर गये। (अगले दिन)
पाला है) पाला की फरक हुआ होकर
आज काला है। अगले दिन काले होकर गये।
पुनरा गया।

सहायक कलेक्टर (मु.) साकर